नामांक Roll No.

No. of Questions — 15

No. of Printed Pages — 11

VU—01—Hindi (C)

वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा, 2014

अनिवार्य हिन्दी

(Compulsory - Hindi)

समय : $3\frac{1}{4}$ घण्टे

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

(2) **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।

(3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में निर्धारित शब्द-सीमा में लिखें ।

(4) जिस प्रश्न के **अ, ब, स, द** भाग हैं, उन सभी भागों का हल एक साथ सतत् लिखें ।

खण्ड - क

1. निम्नांकित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 20 से 40 शब्द है)

मेरी भूमि तो है पुण्यभूमि वह भारती,
सौ नक्षत्र-लोक करें आके आप आरती ।
नित्य नये अंकुर असंख्य वहाँ फूटते,
फूल झड़ते हैं, फल पकते हैं, टूटते ।
सुरसरिता ने वहीं पाई हैं सहेलियाँ,
लाखों अठखेलियाँ, करोड़ों रंगरेलियाँ ।
नन्दन विलासी सुरवृन्द, बहु वेशों में,
करते विहार हैं हिमाचल प्रदेशों में ।
सुलभ यहाँ जो स्वाद, उसका महत्त्व क्या ?
दु:ख जो न हो तो फिर सुख में है सत्त्व क्या ?
दुर्लभ जो होता है, उसी को हम लेते हैं,
जो भी मूल्य देना पड़ता है, वही देते हैं ।
हम परिवर्तनमान, नित्य नये हैं तभी,
ऊब ही उठेंगे कभी एक स्थिति में सभी ।
रहता प्रपूर्ण है हमारा रंगमंच भी,
रुकता नहीं है लोक नाट्य कभी रंच भी ।

(अ) कवि ने पुण्य भूमि किसे और क्यों कहा है ? 2

(ब) हिमाचल प्रदेश की क्या विशेषता बताई गयी है ? 2

(स) "दु:ख जो न हो, तो फिर सुख में है सत्त्व क्या ?" — इस कथन का तात्पर्य स्पष्ट कीजिए । 2

(द) पृथ्वीवासियों को 'नित्य नये' क्यों कहा गया है ? 2

2. निम्नांकित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 20 से 40 शब्द है)

गाँधीजी के अनुसार शिक्षा, शरीर, मस्तिष्क और आत्मा का विकास करने का माध्यम है । वे 'बुनियादी शिक्षा' के पक्षधर थे । उनके अनुसार प्रत्येक बच्चे को अपनी मातृभाषा की नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा मिलनी चाहिए जो उसके आस-पास की जिन्दगी पर आधारित हो; हस्तकला एवं काम के जरिए दी जाए ; रोजगार दिलाने के लिए बच्चे को आत्मनिर्भर बनाए तथा नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों का विकास करने वाली हो । गांधीजी के उक्त विचारों से स्पष्ट है कि वे व्यक्ति और समाज के सम्पूर्ण जीवन पर अपनी मौलिक दृष्टि रखते थे तथा उन्होंने अपने जीवन में सामाजिक एवं राजनीतिक आंदोलनों में भाग लेकर भारतीय समाज एवं राजनीति में इन मूल्यों को स्थापित करने की कोशिश की । गांधीजी की सारी सोच भारतीय परम्परा की सोच है तथा उनके दिखाए मार्ग को अपनाकर प्रत्येक व्यक्ति और सम्पूर्ण राष्ट्र वास्तविक स्वतन्त्रता, सामाजिक सद्‌भाव एवं सामुदायिक विकास को प्राप्त कर सकता है । भारतीय समाज जब-जब भटकेगा तब-तब गाँधीजी उसका मार्गदर्शन करने में सक्षम रहेंगे ।

(अ) गांधीजी के अनुसार प्रत्येक बच्चे को किस प्रकार की शिक्षा दी जानी चाहिए ? 2

(ब) 'गांधीजी के उक्त विचारों से स्पष्ट है कि वे व्यक्ति और समाज के सम्पूर्ण जीवन पर अपनी मौलिक दृष्टि रखते थे ...' यह किस प्रकार का वाक्य है; बताते हुए परिभाषा भी लिखें । 2

(स) 'सामाजिक' शब्द में मूल शब्द व प्रत्यय बताइए । 1 + 1 = 2

(द) अपठित गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । 2

खण्ड - ख

3. निम्न विषयों में से किसी **एक** पर लगभग 450 शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए : 7

(अ) भारतीय राजनीति, राजनेता और जातिवाद

(ब) रंगीला राजस्थान

(स) नये भारत की आशा — युवा वर्ग

(द) स्त्री-सशक्तिकरण और शिक्षा

(य) मेरा प्रिय साहित्यकार ।

4. 'आपके शहर में बढ़ते अपराध' **अथवा** आपके विद्यालय में आयोजित 'मतदाता जागरूकता अभियान के तहत आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं' पर समाचार पत्र में प्रेषित करने हेतु एक प्रतिवेदन लिखिए । (उत्तर-सीमा 100 शब्द) 4

5. विविध माध्यमों के लिए लेखन-स्वरूप, प्रकार और प्रक्रिया से संदर्भित निम्नांकित प्रश्नों में से कोई **एक** प्रश्न का हल कीजिए : (उत्तर-सीमा 80 से 100 शब्द) 4

(अ) मुद्रित माध्यमों की विशेषताएँ एवं कमियाँ लिखिए ।

(ब) एक अच्छे साक्षात्कारकर्त्ता में कौन-कौन से गुण होने चाहिए ?

(स) विशेष लेखन के क्षेत्र बताते हुए विशेष लेखन की भाषा शैली पर भी विचार अभिव्यक्त कीजिए ।

6. निम्नांकित विषयों में से किसी **एक** पर आलेख लिखिए :
(उत्तर-सीमा 80 से 100 शब्द) 4

(अ) घटते संयुक्त परिवार : बढ़ते खतरे

(ब) टी० वी० विज्ञापन और उनका प्रभाव

(स) रोजगारोन्मुखी शिक्षा की आवश्यकता ।

7. निम्नांकित विषयों में से किसी **एक** विषय पर फीचर लिखिए : 3
(उत्तर-सीमा 60 से 80 शब्द)

(अ) जंक फूड की बढ़ती घुसपैठ ।

(ब) कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और विकासशील देश ।

(स) राष्ट्रीय पुरस्कारों में राजनीति ।

खण्ड - ग

8. निम्नांकित पठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 20 से 40 शब्द है)

शरद आया पुलों को पार करते हुए
अपनी नयी चमकीली साइकिल तेज़ चलाते हुए
घंटी बजाते हुए ज़ोर-ज़ोर से
चमकीले इशारों से बुलाते हुए
पतंग उड़ाने वाले बच्चों के झुंड को
चमकीले इशारों से बुलाते हुए और
आकाश को इतना मुलायम बनाते हुए
कि पतंग ऊपर उठ सके —
दुनिया की सबसे हलकी और रंगीन चीज़ उड़ सके
दुनिया का सबसे पतला कागज़ उड़ सके -
बाँस की सबसे पतली कमानी उड़ सके -
कि शुरू हो सके सीटियों, किलकारियों और
तितलियों की इतनी नाजुक दुनिया ।

(अ) 'नयी चमकीली साइकिल' और 'चमकीले इशारों' से क्या तात्पर्य है ? 2

(ब) पतंग उड़ाने वाले बच्चों को कौन बुला रहा है ? 2

(स) शरद का आसमान को मुलायम बनाने से क्या तात्पर्य है ? 2

(द) पतंग के उड़ने के साथ ही बच्चों के व्यवहार में क्या परिवर्तन आता है ? 2

अथवा

निम्नांकित पठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :
(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 20 से 40 शब्द है)

सारी मुश्किल को धैर्य से समझे बिना
मैं पेंच को खोलने के बजाए
उसे बेतरह कसता चला जा रहा था
क्यों कि इस करतब पर मुझे
साफ़ सुनाई दे रही थी
तमाशबीनों की शाबाशी और वाह वाह ।

आखिरकार वही हुआ जिसका मुझे डर था
ज़ोर ज़बरदस्ती से
बात की चूड़ी मर गई
और वह भाषा में बेकार घूमने लगी !

हार कर मैंने उसे कील की तरह
उसी जगह ठोक दिया ।
ऊपर से ठीक-ठाक
पर अंदर से
न तो उसमें कसाव था
न ताकत !

बात ने, जो एक शरारती बच्चे की तरह
मुझसे खेल रही थी,
मुझे पसीना पोंछते देख कर पूछा —
"क्या तुमने भाषा को
सहूलियत से बरतना कभी नहीं सीखा ?"

(अ) बात का पेंच कसने से क्या तात्पर्य है ? 2

(ब) बात का अर्थ न निकलने पर कवि ने उसके साथ क्या व्यवहार किया और क्यों ? 2

(स) "ऊपर से ठीक-ठाक, पर अंदर से,
न तो उसमें कसाव था, न ताकत !" — इन पंक्तियों का तात्पर्य स्पष्ट कीजिए । 2

(द) बात को शरारती बच्चे की उपमा क्यों दी गई है ? 2

9. निम्नांकित पठित काव्यांश को पढ़ कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 20 से 40 शब्द है)

मैं निज रोदन में राग लिए फिरता हूँ,

शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ

हों जिस पर भूपों के प्रासाद निछावर,

मैं वह खण्डहर का भाग लिए फिरता हूँ ।

(अ) उपर्युक्त पंक्तियों में कवि द्वारा वर्णित भावों को समझाइए । 2

(ब) उपर्युक्त काव्यांश के शिल्प-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए । 2

अथवा

निम्नांकित पठित काव्यांश को पढ़ कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 20 से 40 शब्द है)

गरबीली गरीबी यह, ये गंभीर अनुभव सब

यह विचार-वैभव सब

दृढ़ता यह, भीतर की सरिता यह अभिनव सब

मौलिक है, मौलिक है

इसलिए कि पल-पल में जो कुछ भी जाग्रत है — अपलक है —

संवेदन तुम्हारा है !

(अ) उपर्युक्त पंक्तियों में कवि द्वारा वर्णित भावों को समझाइए । 2

(ब) उपर्युक्त काव्यांश के शिल्प-सौन्दर्य को लिखिए । 2

10. पठित कविताओं की विषय-वस्तु से सम्बन्धित दिए गए तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2 \times 1\frac{1}{2} = 3$

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 20 से 30 शब्द है)

(अ) 'स्लेट पर या लाल खड़िया चाक मल दी हो किसी ने';

'उषा' कविता की उपर्युक्त पंक्ति बाल-मनोविज्ञान पर प्रकाश डालती है । कैसे ? समझाइए ।

(ब) 'अशनि-पात से शापित, उन्नत शत-शत वीर', —

'बादल-राग' कविता में बादलों को 'अशनि-पात से शापित, उन्नत शत-शत वीर' कहने का क्या तात्पर्य है ?

(स) 'उसको उतना ही पाते हैं खुद को जितना खो ले हैं' —

फ़िराक गोरखपुरी की इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए ।

11. निम्नांकित पठित गद्यांश को पढ़ कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 20 से 40 शब्द है)

भाँति-भाँति के बढ़िया माल से चौक भरा पड़ा है । उस सबके प्रति अप्रीति इस भगत के मन में नहीं है । जैसे उस समूचे माल के प्रति भी उनके मन में आशीर्वाद हो सकता है । विद्रोह नहीं, प्रसन्नता ही भीतर है, क्योंकि कोई रिक्त भीतर नहीं है । देखता हूँ कि खुली आँख, तुष्ट और मग्न, वह चौक बाजार में से चलते चले जाते हैं । राह में बड़े-बड़े फैंसी स्टोर पड़ते हैं, पर पड़े रह जाते हैं । कहीं भगत नहीं रुकते । रुकते हैं तो एक छोटी पंसारी की दुकान पर रुकते हैं । वहाँ दो चार अपने काम की चीज़ लीं, और चले आते हैं । बाज़ार से हठ पूर्वक विमुखता उनमें नहीं है; लेकिन अगर उन्हें जीरा और काला नमक चाहिए तो सारे

चौक-बाज़ार की सत्ता उनके लिए तभी तक है, तभी तक उपयोगी है, जब तक वहाँ जीरा मिलता है । ज़रूरत-भर जीरा वहाँ से ले लिया कि फिर सारा चौक उनके लिए आसानी से नहीं के बराबर हो जाता है । ... इस निश्चित प्रतीति के बल पर शेष सब चाँदनी चौक का आमंत्रण उन पर व्यर्थ होकर बिखरा रहता है ।

(अ) बाज़ार के उत्तम-से-उत्तम माल के प्रति भी भगत जी के मन में कोई अप्रीति क्यों नहीं है ? 2

(ब) 'बाजार से हठ पूर्वक विमुखता' से क्या तात्पर्य है ? समझाइए । 2

(स) भगत जी के व्यक्तित्व के आधार पर समझाइए कि ऐसा कौन-सा गुण है, जिसके होने पर बाज़ार के सम्पूर्ण ऐश्वर्य का आमन्त्रण व्यर्थ हो जाता है । 2

अथवा

निम्नांकित पठित गद्यांश को पढ़ कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए —

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 20 से 40 शब्द है)

मेरे पास वहाँ जाकर रहने के लिए रुपया नहीं है, यह मैंने भक्तिन के प्रस्ताव को अवकाश न देने के लिए कहा था; पर उसके परिणाम ने मुझे विस्मित कर दिया । भक्तिन ने परम रहस्य का उद्घाटन करने की मुद्रा बना कर और पोपला मुँह मेरे कान के पास लाकर हौले-हौले बताया कि उसके पास पाँच बीसी और पाँच रुपया गड़ा रखा है । उसी से वह सब प्रबंध कर लेगी । फिर लड़ाई तो कुछ अमरौती खाकर आई नहीं है । जब सब ठीक हो जाएगा, तब यहीं लौट आएँगे । भक्तिन की कंजूसी के प्राण पुंजीभूत होते-होते पर्वताकार बन चुके थे; परन्तु इस उदारता के डाइनामाइट ने क्षण भर में उन्हें उड़ा दिया । इतने थोड़े रुपये का कोई महत्त्व नहीं; परन्तु रुपये के प्रति भक्तिन का अनुराग इतना प्रख्यात हो चुका है कि मेरे लिए उसका परित्याग मेरे महत्त्व की सीमा तक पहुँचा देता है ।

(अ) भक्तिन ने किस रहस्य का उद्घाटन करके महादेवी जी को आश्चर्यचकित कर दिया ? 2

(ब) 'लड़ाई तो कुछ अमरौती खाकर आई नहीं है', — इस कथन के आधार पर युद्ध के प्रति भक्तिन के भाव को समझाइए । 2

(स) कैसे कह सकते हैं कि महादेवी जी का स्थान भक्तिन के जीवन में सर्वोपरि था ? 2

12. पठित गद्य पाठों की विषय-वस्तु पर आधारित निम्न **चार** प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए : $3 \times 3 = 9$

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 40 से 60 शब्द है)

(अ) 'काले मेघा पानी दे' के आधार पर समझाइए कि लेखक ने भारतीयों का अंग्रेजों से पिछड़ने व उनका गुलाम बनने के क्या कारण बताए हैं । वह उस स्थिति में सुधार चाहते हुए भी क्यों नहीं कर पाता है ? $1 + 2$

(ब) " 'पहलवान की ढोलक' नामक कहानी में 'लुट्टनसिंह' एक ऐसा पात्र है जो प्रारम्भ से लेकर मृत्यु पर्यन्त जिजीविषा का अद्‌भुत दस्तावेज है ।" कैसे ? समझाइए ।

(स) शिरीष के वृक्ष, कबीर और कालिदास में हजारी प्रसाद जी ने क्या समानताएँ देखीं और क्यों ?

(द) 'असमान प्रयत्न के कारण असमान व्यवहार' से आप क्या समझते हैं ? क्या आप इस दृष्टिकोण से सहमत हैं ? मौलिक उत्तर दीजिए ।

खण्ड - घ

13. पाठों की विषय-वस्तु पर आधारित निम्न **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए : $2 \times 3 = 6$

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 40 से 60 शब्द है)

(अ) अधिकांश अभिभावकों की तरह यशोधर बाबू भी यह सोचते थे कि — 'जिम्मेदारी सर पर पड़ेगी तब सब अपने ही आप ठीक हो जाएँगे ।' — इस कथन पर अपनी मौलिक सहमति या असहमति तर्क सहित दीजिए ।

(ब) मास्टर न० वा० सौंदलगेकर के मराठी भाषा पढ़ाने का वह कौन-सा तरीका था जिससे लेखक के जीवन पर उनका सर्वाधिक प्रभाव पड़ा ?

(स) मुअन-जो-दड़ो के भौगोलिक व प्राकृतिक वातावरण पर एक टिप्पणी लिखिए ।

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** का उत्तर दीजिए : $2 \times 1\frac{1}{2} = 3$

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 20 से 30 शब्द है)

(अ) 'आनंदा' को खेती के कौन-कौन से कार्य करने पर ही अध्ययन की अनुमति पिता द्वारा दी गई ?

(ब) मुअन-जो-दड़ो के अजायब घर में सिंधु सभ्यता को बताने वाली कौन-कौन सी वस्तुएँ निकलीं ?

(स) 'युद्ध काल में मनुष्यों की नैतिकता समाप्त हो गयी थी ।' इस कथन को एन फ्रेंक द्वारा दिए गये उदाहरणों के आधार पर लिखिए ।

15. विषय-वस्तु पर आधारित दिए गए **दो** प्रश्नों में से किसी **एक** निबन्धात्मक प्रश्न का उत्तर दीजिए : $1 \times 3 = 3$

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 40 से 60 शब्द है)

(अ) किशन दा कहा करते थे कि आना सब कुछ चाहिए, सीखना हर एक की बात ठहरी, लेकिन अपनी छोड़नी नहीं हुई । — किशन दा के इस विचार को यशोधर बाबू ने अपने जीवन में किस प्रकार अपनाया ? स्पष्ट कीजिए ।

(ब) 'शिक्षा, काम तथा प्रगति ने औरतों की आँखें खोली हैं ।' एन फ्रेंक के इस कथन को वर्तमान परिप्रेक्ष्य के आधार पर तर्क सहित समझाइए ।